GS WORLD

एक ऐसा संस्थान जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है...

IAS GS WORLD PCS
Committed To Excellence
ISO 9001 Certified

16-31 Mar., 2019

PIB

PICTURE

पत्र सूचना कार्यालय
PRESS INFORMATION BUREAU
भारत सरकार

DELHI CENTRE
629, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph.: 7042772062/63, 9868365322

ALLAHABAD CENTRE
GS World House, Stainly Road,
Near Traffic Choraha, Allahabad
Ph.: 0532-2266079, 8726027579

LUCKNOW CENTRE
A-7, Sector-J, Puraniya Chauraha
Aliganj, Lucknow
Ph.: 0522-4003197, 8756450894

अफ्रीका-भारत फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास - 2019

PIB, (18 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- भारत और अफ्रीकी देशों के लिए अफ्रीका-भारत फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास -2019 (AFINDEX-19) का उद्घाटन समारोह 18 मार्च, 2019 को औंध मिलिट्री स्टेशन, पुणे में आयोजित हुआ।
- यह अभ्यास कार्यक्रम 18 मार्च से 27 मार्च, 2019 तक चलेगा। 17 अफ्रीकी देशों - बेनिन, बोत्सवाना, मिस्र, घाना, केन्या, मॉरीशस, मोजाम्बिक, नामीबिया, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, सूडान, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया और जिंबाब्वे के सैन्य दल के साथ मराठा लाइट इन्फैंट्री ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

क्या है?

- मराठा लाइट इन्फैंट्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। मेजर जनरल संजीव शर्मा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग गोल्डन कटार डिवीजन, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे।
- उन्होंने प्रतिभागी देशों के सैन्य अधिकारियों के साथ परेड की समीक्षा की।
- उद्घाटन समारोह में चीता हेलिकॉप्टर और एडवांस लाइट हेलिकॉप्टरों ने संयुक्त राष्ट्र, भारत और AFINDEX-19 के झंडे लहराए।
- परेड की समाप्ति पर मुख्य अतिथि और अफ्रीकी देशों के रक्षा अधिकारियों ने परेड के प्रतियोगियों के साथ बातचीत की।
- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना गतिविधि के अध्याय VII के तहत मानवीय सहायता और शांति स्थापना गतिविधियों के लिए योजना बनाना और इसका परिचालन इस अभ्यास के उद्देश्य है।
- यह अभ्यास प्रतिभागी राष्ट्रों के बीच सर्वोत्तम अभ्यासों के आदान-प्रदान पर आधारित है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा दी गई कार्य योजना में शामिल हैं - नये मिशन की स्थापना, शांति स्थापना गतिविधियों के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लिए स्थल चयन, सैन्य पर्यवेक्षक के लिए स्थल चयन, नागरिकों की सुरक्षा, युद्धक तैनाती, सैन्य दल की सुरक्षा और मानवीय सहायता के लिए निगरानी के विभिन्न आयाम।

फिनटेक कॉनक्लेव 2019

PIB, (24 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – नीति आयोग
संबंधित मंत्री – अमिताभ कांत

संदर्भ

- हाल ही में नीति आयोग ने फिनटेक कॉन्क्लेव 2019 का आयोजन नई दिल्ली में किया, इसका उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा किया गया।
- इसका उद्देश्य वित्तीय टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सुधार करना तथा नयी नीतियों के निर्माण पर विचार विमर्श करना है।
- इस कॉन्क्लेव में केन्द्रीय मंत्रालयों, रेगुलेटर, बैंकर, स्टार्टअप्स, सेवा प्रदाता तथा उद्यमियों समेत 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इस सम्मेलन में निम्नलिखित क्षेत्रों के बारे में चर्चा की गयी

- वित्तीय समावेश के लिए ग्राहकों तथा व्यापारियों को डिजिटल सेवा से जोड़ना।

- भारत के लिए वित्तीय उत्पादों का निर्माण।
- फिनटेक के उभरते हुए क्षेत्र।
- फिनटेक उद्योग में निवेश की फास्ट-ट्रैकिंग।
- सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों का वित्तीय समावेश।
- भारत में फिनटेक (वित्तीय टेक्नोलॉजी)।

- यह नवीन व नवोन्मेष टेक्नोलॉजी है, जिसके द्वारा वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। स्मार्टफोन के द्वारा बैंकिंग, निवेश, तथा क्रिप्टोकरेंसी इत्यादि फिनटेक के कुछ उदहारण है।
- फिनटेक की सहायता से बड़ी जनसंख्या तक वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकती है।
- भारत विश्व के सबसे तेज गति से बढ़ने वाले फिनटेक बाजारों में से एक है।
- 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। भारतीय फिनटेक इकोसिस्टम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है। 2014 से इसमें 6 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया जा चुका है।

नीति आयोग

- नीति आयोग (भारतीय राष्ट्रीय परिवर्तन संस्थान) भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है, जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है।
- 1 जनवरी, 2015 को इस नए संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया।

लीमा-19

PIB, (26 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- लैंगकावी इंटरनेशनल मेरीटाइम एरो एक्सपो, 2019 (LIMA-19) की शुरुआत हाल ही में मलेशिया में हुई। भारतीय वायुसेना इस मेरीटाइम एरो एक्सपो में पहली बार हिस्सा ले रही है।
- यह LIMA का 15वां संस्करण है। इसका उद्घाटन मलेशिया के प्रधानमंत्री 'महातिर बिन मोहम्मद' ने किया।

क्या है?

- लैंगकावी इंटरनेशनल मेरीटाइम एरो एक्सपो उद्योग जगत के स्टेकहोल्डर्स को प्लेटफार्म प्रदान करता है जहाँ पर नयी साझेदारी तथा व्यापारिक समझौते पर चर्चा की जाती है।
- पहली बार इस एक्सपो का आयोजन, 1991 में किया गया था। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में इस प्रकार का सबसे बड़ा एक्सपो है।
- इस प्रदर्शनी में भारत वायुसेना स्वदेशी रूप से निर्मित लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस को प्रदर्शित करेगी। तेजस का निर्माण 'हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड' द्वारा किया गया है।
- भारतीय वायुसेना तथा भारतीय नौसेना के लिए इसका डिजाईन 'एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी' द्वारा तैयार किया गया था।
- इसके अलावा भारतीय वायुसेना तथा रॉयल मलेशियन एयर फोर्स के बीच विचार-विमर्श भी किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में भारत की आईएनएस कदमत्त स्टेल्थ एंटी-सबमरीन कार्वेट भी हिस्सा ले रही है।

मित्र शक्ति - VI

PIB, (27 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- भारतीय सेना और श्रीलंका की सेना के 14 दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास मित्र शक्ति-VI की दियातलावा, बदूला, श्रीलंका में दियातलावा परेड ग्राउंड में 27 मार्च को शुरूआत हुई।
- दोनों देशों के बीच संयुक्त अभ्यास का यह छठा संस्करण है। यह युद्धाभ्यास 26 मार्च से शुरू होकर 08 अप्रैल, 2019 तक चलेगा।
- भारतीय सेना की टुकडी में बिहार रेजीमेंट का कंपनी समूह और इतनी ही क्षमता में श्रीलंका की सेना की जेमूनु वॉच बटालियन शामिल थी।

उद्देश्य

- युद्धाभ्यास में मुख्य रूप से विद्रोही गतिविधियों और संयुक्त राष्ट्र के झंडे के तहत शहरी / ग्रामीण माहौल में आतंकवादी कार्रवाईयों से निपटने के लिए टुकड़ियों को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना है।

- युद्धाभ्यास दोनों टुकडियों को एक आदर्श मंच प्रदान करता है ताकि वे अपने परिचालन अनुभव और विशेषज्ञता को साझा कर सकें।
- साथ ही यह युद्धाभ्यास भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच पारस्परिकता और सहयोग बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

मिशन शक्ति

PIB, (27 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

-
- हाल ही में भारतीय वैज्ञानिकों ने मिशन शक्ति का सफल संचालन करते हुए पृथ्वी की निम्न कक्षा (low orbit) में अवस्थित एक जीवंत उपग्रह को मार गिराया है।

क्या है?

- मिशन शक्ति एक संयुक्त कार्यक्रम है, जिसका संचालन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने मिलकर चलाया है।
- इस अभियान के अंतर्गत एक उपग्रह नाशक (anti-satellite – A-SAT) अस्त्र छोड़ा गया, जिसका लक्ष्य भारत का ही एक ऐसा उपग्रह था जो अब काम में नहीं आने वाला था।
- मिशन शक्ति का संचालन ओडिशा के बालासोर में स्थित DRDO के परीक्षण स्थल से हुआ।

महत्त्व

- ऐसी विशेषज्ञ और आधुनिक क्षमता प्राप्त करने वाला भारत विश्व का मात्र चौथा देश है और इसका यह प्रयास पूर्णतः स्वदेशी है।
- अभी तक केवल अमेरिका, रूस और चीन के पास ही अन्तरिक्ष में स्थित किसी जीवंत लक्ष्य को भेदने की शक्ति थी।

क्या परीक्षण से अन्तरिक्ष में मलबा पैदा हुआ?

- यह परीक्षण जान-बूझकर पृथ्वी की निम्न कक्षा (low earth orbit – LEO) में किया गया जिससे कि अन्तरिक्ष में कोई मलबा न रहे। जो कुछ भी मलबा बना वह क्षयग्रस्त हो जाएगा और कुछ सप्ताह में पृथ्वी पर आ गिरेगा।

पृथ्वी की निम्न कक्षा (Low Orbit) क्या है?

- पृथ्वी की जो कक्षा 2,000 किमी. की ऊँचाई तक होती है, उसे निम्न कक्षा कहा जाता है। यहाँ से कोई उपग्रह धरातल और समुद्री सतह में चल रही गतिविधियों पर नजर रख सकता है।
- ऐसे उपग्रह का प्रयोग जासूसी के लिए हो सकता है। अतः उससे युद्ध के समय देश की सुरक्षा पर गंभीर खतरा हो सकता है।

बाह्य अन्तरिक्ष में हथियारों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय कानून क्या है?

- अमेरिका, रूस और चीन समेत सभी देशों ने 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि (Outer Space Treaty) पर हस्ताक्षर किए थे।
- भारत ने इस संधि पर 1982 में हस्ताक्षर किये थे।
- समझौते के अनुसार कोई भी देश अंतरिक्ष में क्षेत्राधिकार नहीं दिखा सकता।
- यह समझौता किसी भी देश को पृथ्वी की कक्षा या उससे बाहर परमाणु हथियार या हथियार रखने से रोकता है।
- चंद्रमा और मंगल जैसे ग्रहों, जहाँ मानव की पहुँच हो सकती है, के संदर्भ में यह संधि और भी कठोर है।
- इन ग्रहों में कोई भी देश सैन्य अड्डों का निर्माण नहीं कर सकता है या किसी भी प्रकार का सैन्य संचालन नहीं कर सकता है या किसी अन्य प्रकार के पारंपरिक हथियारों का परीक्षण नहीं कर सकता है।
- पर साथ ही साथ यह संधि बैलिस्टिक मिसाइलों के अंतर-महाद्वीपीय प्रयोग को प्रतिबंधित नहीं करती है, जो लक्ष्य को भेदने के लिए पृथ्वी की कक्षा से बाहर भी चले जाते हैं।
- इस संधि की इस चूक का लाभ उठाकर कोई देश अन्तरिक्ष का युद्ध के लिए उपयोग कर सकता है।

ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई-मार्केटप्लेस

PIB, (28 Mar.)
संबंधित मंत्रालय – वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
संबंधित मंत्री – सुरेश प्रभु

संदर्भ

- हाल ही में कॉफी बोर्ड ने नई दिल्ली में ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई-मार्केटप्लेस का आरंभ किया है। गौरतलब है कि ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई-मार्केटप्लेस, कॉफी की खेती करने वाले किसानों के लिये सहायक सिद्ध हो सकता है।

प्रमुख बिंदु

- किसान इस प्रायोगिक परियोजना से बाजारों के साथ पारदर्शी ढंग से जुड़ सकेंगे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें उचित मूल्य की प्राप्ति होगी।

- ब्लॉकचेन की सहायता से कॉफी उत्पादकों और खरीदारों के बीच की दूरी कम होगी और किसानों को अपनी आमदनी दोगुनी करने में मद्द मिलेगी।
- भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ कॉफी छाया में उगाई जाती है, उसे हाथ से तोड़ा जाता है और धूप में सुखाया जाता है। यहाँ उगाई जाने वाली कॉफी दुनिया की बेहतरीन कॉफी में शुमार है।
- विश्व बाजार में भारतीय कॉफी की बहुत ज्यादा मांग है और यह प्रीमियम कॉफी के रूप में बेची जाती है, इसके बावजूद कॉफी उगाने वाले किसानों की आमदनी बहुत कम है।

उद्देश्य

- ब्लॉकचेन आधारित मार्केटप्लेस एप का उद्देश्य भारतीय कॉफी के व्यापार में पारदर्शिता लाना है।
- इस पहल से भारतीय कॉफी की ब्रांड इमेज तैयार करने में मद्द मिलेगी और खरीदारों तक सीधी पहुँच कायम होने से कॉफी उत्पादकों की बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी।

भारतीय कॉफी बोर्ड

- भारत सरकार ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कॉफी अधिनियम, 1942 की धारा-VII के द्वारा 'कॉफी बोर्ड' का गठन किया।
- अध्यक्ष इस बोर्ड का मुख्य कार्यपालक होता है तथा इसकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।
- इस बोर्ड में अध्यक्ष सहित 33 सदस्य होते हैं।
- अध्यक्ष के अलावा शेष 32 सदस्य कॉफी उत्पादन से संबंधित उद्योग, कॉफी व्यापार हितैषी, श्रमिकों एवं उपभोक्ताओं के हितैषी, कॉफी उगाने वाले प्रमुख राज्यों के सरकार के प्रतिनिधि तथा सांसद जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं।

बोर्ड के प्रमुख कार्य

- उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता का प्रोन्नयन।
- भारतीय कॉफी के लिये उचित लाभ प्राप्त करने हेतु निर्यात संवर्द्धन।
- स्वदेशी बाजार के विकास का समर्थन।

भारतीय कॉफी

- भारत में 3.66 लाख कॉफी किसानों द्वारा 4.54 लाख हेक्टेयर जमीन पर कॉफी की खेती की जाती है।
- इसकी खेती मुख्यत: कर्नाटक (54 प्रतिशत), केरल (19 प्रतिशत) और तमिलनाडु (8 प्रतिशत) में होती है।
- कॉफी की खेती आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी होती है।
- देश में उत्पादित कॉफी के 65% से 70% भाग का निर्यात किया जाता है, जबकि शेष कॉफी का उपभोग देश में ही किया जाता है।
- भारत में उगाई जाने वाली कॉफी मुख्यत: दो प्रकार की है- अरेबिका एवं रोबस्टा।

क्या है ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी?

- ब्लॉकचेन एक ऐसी प्रौद्योगिकी है जो एक सुरक्षित एवं आसानी से सुलभ नेटवर्क पर लेन-देन का एक विकेंद्रीकृत डाटाबेस तैयार करती है।
- लेन-देन के इस साझा रिकॉर्ड को नेटवर्क पर स्थित कोई भी व्यक्ति देख सकता है।
- वास्तव में ब्लॉकचेन डेटा ब्लॉकों की एक श्रृंखला होती है तथा प्रत्येक ब्लॉक में लेन-देन का एक समूह समाविष्ट होता है।
- ये ब्लॉक एक-दूसरे से इलेक्ट्रॉनिक रूप में जुड़े होते हैं तथा इन्हें कूट-लेखन के माध्यम से सुरक्षा प्रदान की जाती है।
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम एवं सबसे बड़ा उदाहरण बिटकॉइन नेटवर्क है।
- यह तकनीक सुरक्षित है। इसे हैक करना मुश्किल होता है।
- साइबर अपराध और हैकिंग को रोकने के लिये यह तकनीक सुरक्षित मानी जाती है।

भारतीय कॉफी की पांच किस्मों को जीआई टैग

PIB, (29 Mar.)

संबंधित मंत्रालय – वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

संबंधित मंत्री – सुरेश प्रभु

संदर्भ

- हाल ही में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने भारतीय कॉफी की पांच किस्मों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) प्रदान किया है।
- इससे पहले भारत की एक अनोखी विशिष्ट कॉफी 'मानसूनी मालाबार रोबस्टा कॉफी' को जीआई प्रमाणन दिया गया था।
- भारत में 3.66 लाख कॉफी किसानों द्वारा तकरीबन 4.54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कॉफी उगायी जाती है। इनमें से 98 प्रतिशत छोटे किसान हैं।
- कॉफी की खेती मुख्यत: भारत के दक्षिणी राज्यों में की जाती है। कॉफी गैर-परंपरागत क्षेत्रों जैसे कि आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा

(17.2 प्रतिशत) और पूर्वोत्तर राज्यों (1.8 प्रतिशत) में भी उगायी जाती है।

ये किस्में निम्नलिखित हैं:

- वायनाड रोबस्टा कॉफी: यह मुख्यत: वायनाड जिले में उगायी जाती है, जो केरल के पूर्वी हिस्से में अवस्थित है।
- कूर्ग अराबिका कॉफी: यह मुख्यत: कर्नाटक के कोडागू जिले में उगायी जाती है।
- बाबाबुदनगिरीज अराबिका कॉफी: यह भारत में कॉफी के उद्गम स्थल में उगायी जाती है और यह क्षेत्र चिकमंगलूर जिले के मध्य क्षेत्र में अवस्थित है। इसे हाथ से चुना जाता है और प्राकृतिक किण्वन द्वारा संसाधित किया जाता है। इसमें चॉकलेट सहित विशिष्ट फ्लैवर होता है। कॉफी की यह किस्म सुहावना मौसम में तैयार होती है। यही कारण है कि इसमें विशेष स्वाद और खुशबू होती है।
- चिकमगलूर अराबिका कॉफी: यह विशेष रूप से चिकमगलूर जिले में उगायी जाती है। यह दक्कन के पठार में अवस्थित है जो कर्नाटक के मलनाड क्षेत्र से वास्ता रखता है।
- अराकू वैली अराबिका कॉफी: इसे आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले और ओडिशा क्षेत्र की पहाड़ियों से प्राप्त कॉफी के रूप में वर्णित किया जाता है।
- जनजातियों द्वारा तैयार की जाने वाली अराकू कॉफी के लिए जैव अवधारणा अपनायी जाती है, जिसके तहत जैविक खाद एवं हरित खाद का व्यापक उपयोग किया जाता है और जैव कीटनाशक प्रबंधन से जुड़े तौर-तरीके अपनाये जाते हैं।

भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) के बारे में

- जीआई टैग अथवा भौगोलिक चिन्ह किसी भी उत्पाद के लिए एक चिन्ह होता है, जो उसकी विशेष भौगोलिक उत्पत्ति, विशेष गुणवत्ता और पहचान के लिए दिया जाता है और यह सिर्फ उसकी उत्पत्ति के आधार पर होता है।
- ऐसा नाम उस उत्पाद की गुणवत्ता और उसकी विशेषता को दर्शाता है।
- दार्जिलिंग चाय, महाबलेश्वर स्ट्रोबैरी, जयपुर की ब्लूपोटेरी, बनारसी साड़ी और तिरूपति के लड्डू कुछ ऐसे उदाहरण है, जिन्हें जीआई टैग मिला हुआ है।

- जीआई उत्पाद दूरदराज के क्षेत्रों में किसानों, बुनकरों शिल्पों और कलाकारों की आय को बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचा सकते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हमारे कलाकारों के पास बेहतरीन हुनर, विशेष कौशल और पारंपरिक पद्धतियों और विधियों का ज्ञान है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता रहता है और इसे सहेज कर रखने तथा बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

जीआई टैग के फायदे

- जीआई प्रमाणन से जो विशिष्ट मान्यता एवं संरक्षण मिलता है, उससे भारत के कॉफी उत्पादक विशिष्ट क्षेत्र कॉफी की अनूठी खूबियों को बनाये रखने में आवश्यक खर्च करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।
- यही नहीं, इससे विश्व भर में भारतीय कॉफी की मौजूदगी भी बढ़ जायेगी और इसके साथ ही देश के कॉफी उत्पादकों को अपनी प्रीमियम कॉफी की अधिकतम कीमत प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. अफ्रीका–फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास–2019 (AFINDEX-19) के संदर्भ में निम्निलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. यह अभ्यास भारत और अफ्रीकी देशों के बीच 18 मार्च, 2019 को औंध मिलिट्री स्टेशन, पुणे में आयोजित हुआ।
   2. इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना गतिविधि के अध्याय–VII के तहत मानवीय सहायता और शांति स्थापना गतिविधियों के लिए योजना बनाना और इसका परिचालन करना है।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन असत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. फिनटेस कॉनक्लेव, 2019 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. यह नवीन व नवोन्मेष टेक्नोलॉजी है जिसके द्वारा वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कार्यवाही जाती है।
   2. इसका उद्देश्य वित्तीय टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सुधार करना तथा नयी नीतियों के निर्माण पर विचार विमर्श करना है।
   3. भारत विश्व में फिनटेक बाजारों के हिसाब से चौथे स्थान पर है।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
   (c) 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. 'लीमा–19' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. यह एक एरो एक्सपो है, जो लैंगकावी इंटरनेशल मेरीटाइम द्वारा हाल ही में मलेशिया में आयोजित किया गया।
   2. यह एशिया–प्रशांत क्षेत्र का सबसे बड़ा एक्सपो है, जिसे पहली बार 1991 में आयोजित किया गया था।
   3. इस प्रदर्शनी में भारतीय वायु सेना ने तेजस के साथ पहली बार भाग लिया।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
   (c) 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. 'मित्र शक्ति' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. यह भारत और श्री लंका की जल सेना के बीच संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास है।
   2. यह दोनों देशों के बीच छठा संयुक्त अभ्यास है, जो 26 मार्च से 8 अप्रैल, 2019 तक चला।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन असत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

5. 'मिशन शक्ति' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. इस मिशन के द्वारा पृथ्वी की निम्न कक्षा में अवस्थित एक जीवंत उपग्रह को मार गिराया गया।
   2. यह मिशन एक संयुक्त कार्यक्रम था जिसे DRDO और ISRO ने संयुक्त रूप से चलाया था।
   3. ऐसा करने वाला भारत विश्व का मात्र तीसरा देश है इसका यह प्रयास पूर्णतः स्वदेशी है।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) 1, 2 और 3 (b) 2 और 3
   (c) 1 और 2 (b) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. हाल ही में ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई–मार्केटप्लेस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. कॉफी बोर्ड ने नई दिल्ली में ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई–मार्केटप्लेस का आरंभ किया है।
   2. किसान इस प्रायोगिक परियोजना से बाजारों के साथ पारदर्शी ढंग से जुड़ सकेंगे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हे उचित मूल्य की प्राप्ति होगी।

   उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

7. 'भारतीय कॉफी बोर्ड' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कॉफी अधिनियम, 1942 के द्वारा कॉफी बोर्ड का गठन किया गया।
   2. इस बोर्ड में अध्यक्ष सहित 33 सदस्य होते है।
   3. इस बोर्ड का मुख्य कार्य भारतीय कॉफी के लिये उचित लाभ प्राप्त करने हेतु निर्यात संवर्द्धन तथा उत्पादन,

GS World Committed To Excellence

उत्पादकता एवं गुणवत्ता को प्रोन्नयन करना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2

(c) 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से काई नहीं

8. भारत में कॉफी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत दुनियाँ का एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ कॉफी छाया में उगाई जाती है।
2. भारत में उगाई जाने वाली कॉफी मुख्यत: अरेबिका एवं रोबस्टा दो प्रकार की होती है।
3. हाल ही में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कॉफी की पाँच किस्मों को जी आई टैग प्रदान किया है।
4. इसकी खेती मुख्यत: कर्नाटक (80 प्रतिशत), केरल (15 प्रतिशत) और तमिलनाडु (15 प्रतिशत) में होती है। इसके अलावा यह आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में भी होती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2, 3 और 4

(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

ANSWER KEY

01-15 मार्च को दिए गए संभावित प्रश्न (प्रीलिम्स का उत्तर)...

1.	(c)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(a)	5.	(a)	6.	(c)

GS World Committed To Excellence